



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

दिनांक
26-9-23

पृष्ठ संख्या

--

कॉलम

--

THE TIMES OF INDIA

INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER

HAU develops new high-yield mustard seed

Kumar Mukesh/TNN

Hisar: Chandhary Charan Singh Haryana Agricultural University here has developed improved mustard seed RH 1975, which gives the farmers 12% more yield than RH 749. Vice-chancellor B R Kambaj announced this at the 30th annual mustard and rye workshop in Jammu recently.

Indian Council of Agricultural Research's crop variety identification committee led by ICAR's deputy director general (crops) T R Sharmath has picked this seed for timely sowing in the irrigated conditions of Punjab, Delhi, Jammu, Haryana, and north Rajasthan. RH 1975 has an average yield of 12 quintals from each acre, a yield potential of 14-15 quintals, and 39.5% oil content to encourage the farmers to produce oilseeds for higher income.

The VC said that the farmers will get the seeds of RH 1975 by next year. HAU's director of research, Jeetram Sharma, said scientists Ram Avtar, Neeraj, Manjeet, and Ashok Kumar had developed this seed.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क पत्र का नाम
टैनक मासिक

दिनांक
26-9-23

पृष्ठ संख्या
५ --

कॉलम
।-५--

मारकर खासा • 10 वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए बेहतर किस्म इजाद

एचएचू ने सरसों की नई किस्म आरएच 1975 विकसित की, आरएच 749 के मुकाबले 12% अधिक देगी उपज

मारकर खासा लिखा

कौशिं चाण डिंड, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और ज्ञान किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म विविध क्षेत्रों में सर्व भूमि किसाई के लिए एक उत्तम किस्म है जो घैसूदूर किस्म आरएच 749 में सरायग 12 प्रतिशत अधिक प्रदर्शन करती है। आरएच 749 किस्म एचएचू ने कर्ण 2013 में विकसित की थी। उब तस्वीर बाद विविध क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 725 आरएच की बहुत अधिक उत्पादन के कारण विविध क्षेत्रों के लिए सरायग सिद्ध हो गई।

दौसी पी. बी. जार, वायदोज ने बताया कि जम्मू में तुम्हें विविध सरसों व रुई कालाजाता दे पाया गया कृषि अनुसंधान परिषद के उत्तमकालीन फसल ठी. टीआर एचू की अनुसारा में गहिरा फलान कमेटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म की विविध परीक्षणों में सर्व प्रथमिता के लिए विकास किया गया है।

सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में शामिल एचएचू सरसों के नद

कृषि कालिका के उत्तराधिकारी डॉ. एम्से पाहला ने कहा कि एचएचू के सरसों केन्द्र की देश के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में गिरी होती है।

उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आरएच 725 आरएच के द्विन विनाशों के बीच सरसों अधिक प्रदर्शन करती है।

लेखकीय बन चुकी है। जो हरियाणा के अन्यान्य ग्रीष्म, राजस्वान, वर्ष ब्रेक्स में लाभगत 20 से 25 % से ज्यादा उत्पादन बढ़ने वाली किस्म है। यह किस्म औरमत 10-12 किलोग्राम प्रति एकड़ पैदाहर आरएच से दे रही है। व इसकी उत्पादन क्षमता भी 14-15 किलोग्राम प्रति एकड़ लगती है।

तेत की मात्रा भी अद्वितीय

जुलाई में कहा कि 11-12 किलोग्राम व्यती प्रति एकड़ औरमत उत्पादन तक 14-15 किलोग्राम प्रति एकड़ उत्पादन करना बहुत बहुती आरएच 1975 किस्म में सरायग 39.5 प्रतिशत तेत की मात्रा है, जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अनेक विभिन्नों के बीच अधिक स्थिरिय होती।

इस टीम का रहा सहयोग

अनुसंधान निदेशक डॉ. जोगराम शर्मा के अनुसार इस किस्म के लक्ष्य के सरसों विकासकी दो ग्रामजगह, डॉ. नेमेन, डॉ. मवीन व डॉ. अरोक्त कुमार की टीम ने डॉ. एकल पूर्णा, डॉ. निशा कुमारी, डॉ. विनोद गोप्ता, डॉ. महानाथ पाण्डी ग्रामजगह के सरसों से वैयाक लिया है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जीत सभाचार	२६- ९-२३	५--	१-३-

हृषि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच १९७५ विकसित की

हरियाणा सदिन पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को देगा लाभ : प्रो. काम्बोज

हिसार, 25 सितंबर (बिंदु खर्ची) : भौमिहरण विभाग हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और ऊन विस्त्रित आरएच १९७५ विकसित की है। यह विस्त्रित सिंचन क्षेत्रों में समय पर किनारे के लिए एक ऊन विस्त्रित है जोकि गीजहू विस्त्रित आरएच ७४९ से लगभग १२ प्रतिशत अधिक पैदावार देती है। आरएच ७४९ विस्त्रित हृषि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब इस जौ का दूसरा विस्त्रित क्षेत्रों के लिए इस विस्त्रित से बेहतर विस्त्रित आरएच १९७५ ईसाद की गई है जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लोकप्रिय विस्त्रित होगी। विश्वविद्यालय के कृषिविभाग प्रो. चौ.आर. काम्बोज ने बताया कि जम्मू में अप्रैलियन ३०वीं जारी अधिक सरसों व गाई कारोबारी में घटाईये कृषि अनुसंधान परिषद के उत्पादकानिदेशक (फसल), डॉ. टी.आर. रामों की अधिकता में गतिशीलता के द्वारा हाल में आरएच १९७५ विस्त्रित को सिंचन परिस्थिति में



सरसों की नई विस्त्रित आरएच १९७५। समय पर किनारे के लिए विस्त्रित किस गवा है। पैदावार के साथ तेल की भाँति भी अधिक कृषिविभाग ने कहा कि 11-12 लिंगटन प्रति एकड़ और सत उत्पादन तथा 14-15 लिंगटन प्रति एकड़ उत्पादन समता रखने वाली आरएच १९७५ विस्त्रित में लगभग 39.5 लिंगटन तेल की भाँति है। विस्त्रित कारण यह विस्त्रित अन्य किसानों भी अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इससे विलग्न उत्पादक में गृहित के साथ किसानों की अधिकता विस्त्रित को बढ़ा दिया जाने वाली विस्त्रित है। यह विस्त्रित औसत 10-12 लिंगटन प्रति एकड़ पैदावार आराम से दे रही है व इसकी उत्पादन क्षमता भी 14-15 लिंगटन प्रति एकड़ तक है।

कृषिविभाग प्रो. चौ.आर. काम्बोज ने बताया कि आरएच १९७५ विस्त्रित हरियाणा सदिन पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचन क्षेत्रों में गृहित के लिए विस्त्रित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस विस्त्रित का लाभ मिलेगा। कृषि विश्वविद्यालय के अविभाग डॉ. एम्स के पासला ने बताया कि हृषि के सरसों के द्वारा देश के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्रों में मिलती होती है। उसके विस्त्रितों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की विस्त्रित आरएच ७२५ आव दिन किसानों के बीच सरसों अधिक प्रयोगित व सोक्षिय बन चुकी है, जोकि हरियाणा के अलाना दूपी, उत्तराखण, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अवलोगी गाई जाने वाली विस्त्रित है। यह विस्त्रित औसत 10-12 लिंगटन प्रति एकड़ पैदावार आराम से दे रही है व इसकी उत्पादन क्षमता भी 14-15 लिंगटन प्रति एकड़ तक है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्मुखार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण 26-9-23	26-9-23	1 --	1-4--

सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित

ज्ञानरण संबद्धता, हिसार - चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म विभिन्न सेत्रों में समय पर विज्ञान के लिए एक उत्तम किस्म है जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देती है। आरएच 749 किस्म हक्कीनि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब दस वर्ष बाद विभिन्न सेत्रों के लिए इस किस्म से वेहतर किस्म आरएच 1975 इंजाइ की गई है जोकि अधिक उत्पादन के क्षणण किसानों के लिए लापदारक मिल होती है। कुलपति डॉ. बीबाहर काम्बोज ने जताया कि जम्मू में आवेजित 30वें वार्षिक सरसों व गड्ढ कर्मशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपचालनिकारक डा. टीआर शर्मा की व्यवस्था में नवीन यह चान कमटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को विभिन्न परिस्थिति में विज्ञान के लिए विभिन्न किस्म है।



सरसों की नई किस्म आरएच 1975 10 विप्रांती सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में शामिल हक्की : कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डा. एमके पाटुजा ने बताया कि हक्की के सरसों केट की देख के सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में गिनती होती है। उपर्योग किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आरएच 725 आज के दिन किसानों के दीर्घ समयों अधिक प्रवर्तित व लोकप्रिय बन चुकी है, जोकि हारियाणा के अलावा यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत सेत्रों में अपेक्षी उपर्योग जल्द बढ़ती किस्म है। यह किस्म औरक 10-12 विप्रांती प्रति पैकड़ पैदावार आपात से दे सकती है।

पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक

कुलपति ने कहा कि 11-12 विप्रांती प्रति पैकड़ औरक उत्पादन तक 14-15 विप्रांती प्रति पैकड़ उत्पादन क्षमता सुखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 व्यतिक्रम तेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अचूक लोकप्रिय होगी। इससे तिलहन उत्पादन में वृद्धि के साथ लिंगानी भी आधिक स्थिति दो बल मिलेगी।

वीते वर्ष भी की बी दो उन्नत किस्में विकसित

अनुसंधान निदेशक डा. गीतराम शर्मा के अनुसार इस किस्म को हक्की के सरसों विज्ञानिकों डा. राम अवतार, डा. नीरज, डा. मंजूत व डा. अशोक कुमार की टीम ने डा. रामेश पुनिया, डा. निशा कुमारी, डा. विनोद गोहत, डा. महेश्वर एवं डा. रुजबीर सिंह के सहयोग से तैयार किया है।

इन राज्यों को होगा

लाभ : कुलपति डा. बीआर दामबोज न कलाया कि आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व कश्मीर संघरण के विभिन्न सेत्रों में बीजाई के लिए विडिट की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज 3पाले साल तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कवि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब कलरी	26-9-23	५ --	७-८--

हकूमि ने सरसों की एक और नई किस्म आर.एच. 1975 की विकसित

हिसार, 25 सितम्बर (ब्लॉग): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कवि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आर.एच. 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए एक उत्तम किस्म है, जोकि नीतूदा किस्म आर.एच. 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आर.एच. 749 किस्म हकूमि ने बी.पी. 2013 में विकसित की थी। अब 10 वर्ष बाद सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आर.एच. 1975 इजाद की गई है, जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्री आर. कामबोज ने बताया कि जम्म में आयोजित 30वें वार्षिक सारों व रुद्ध कार्यक्रमान्वय भागीरथ कृषि अनुसंधान परिषद के उपमन्त्रिमोदेशक (फसल)।



सरसों की नई किस्म।

इस टी. बी. तरीकों की अध्ययन पर गठित पहचान कमेटी द्वारा हाल में आर.एच. 1975 किस्म को सिंचित परिप्रश्निय में समय पर बिजाई के लिए चिनित किया गया है।

कुलपति प्रो. श्री आर. कामबोज ने बताया कि आर.एच. 1975 किस्म हरियाणा साहित ऐचाच, दिल्ली, जम्म व उत्तरी राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बिजाई के लिए विशेष की गई है, इसलिए इन जन्मों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बोनस अपने यात्रे तक उपलब्ध करना दिया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
‘अभूत’ उजाता	26-9-23	२ --	१-६--

सिंचित क्षेत्रों के लिए सरसों की उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित

एचएयू ने विकसित की नई किस्म, अगले साल तक मिलेगा बीज, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू व राजस्थान के किसानों को होगा लाभ

माइ सिटी रिपोर्टर

नई किस्म आरएच 1975 मौजूदा
किस्म आरएच 749 से करीब 12
प्रतिशत अधिक टेरी पैदावार

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने सिंचित क्षेत्रों के लिए सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए एक उत्तम किस्म है, जो मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देता।

आरएच 749 किस्म एचएयू ने वर्ष 2013 में विकसित की थी जिसने को इस किस्म का बीज अगले साल तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा। कुलपति

योग्यार कांबोज ने अताया कि जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल) डॉ. टीआर शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान कमेटी की ओर से हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति ने समय पर बिजाई के लिए चिह्नित किया गया है। कुलपति ने कहा कि 11-12 विवरण प्रति एकड़ और सत

बीते दर्घ भी की थीं दो उन्नत किस्में

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा के अनुसार इस किस्म को एचएयू के सरसों वैज्ञानिकों द्वारा याम अवधार, डॉ. नीरज, डॉ. गंगोत्र व डॉ. अशोक कुमार की टीम ने डॉ. रमेश पौनिया, डॉ. निशा कुमारी, डॉ. विनोद गोपल, डॉ. महावीर एवं डॉ. रमेशर सिंह के महानों से नेपार किया है। उन्होंने बताया कि टीम ने गत बर्ष भी सरसों की दो किस्में आरएच 1424 व आरएच 1706 विकसित की थीं। सरसों अनुसंधान में उल्कूष कार्य करने के लिए इस टीम को हाल ही में जम्मू में आयोजित कार्यशाला में सरकारी केंद्र अधिकारी से भी बधाऊ गया है।

उत्पादन तथा 14-15 विवरण प्रति एकड़ उत्पादन शमदार रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 प्रीसेटी टेल की मात्रा है।

इससे तिलहन उत्पादन में वृद्धि के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को बेल मिलेगा। आरएच 1975 किस्म हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी

आरएच 725 किस्म सबसे लोकप्रिय

कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एसके पाहुजा ने बताया कि एचएयू के सरसों केंद्र की देश के सर्वोच्च अनुसंधान केंद्रों में गिरावट होती है। उपरोक्त किस्मों से पहले वर्ष 2018 में विकसित की गई सरसों की किस्म आरएच 725 जारी किया गया था। जिसने केंद्र सरकार द्वारा लोकप्रिय बन चुकी है, जोकि हरियाणा में अनावा युपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश में लगभग 20 से 25 प्रतिशत क्षेत्रों में अपेक्षी प्रार्थी जाने जाती है।

राजस्थान के सिंचित क्षेत्रों में बीजाई के लिए चिह्नित की गई है, इसलिए इन क्षेत्रों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
सन् झट्ट

दिनांक
२६-७-२३

पृष्ठ संख्या
५ --

कॉलम
५-३-

हरियाणा साहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को होगा लाभ: प्रो. बीआर काम्बोज

हक्कवि ने सरसों की नई किस्म आरएच 1975 की विकसित

हिमार (मध्य काहू/झधाम सुन्दर गरबाना)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उत्तरी किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचाइ लेवेल में समय पर विकास के लिए एक उत्तम किस्म है, जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 दिवासी अधिक पैदावार देती। आरएच 749 किस्म हक्कवि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब इस वर्ष बड़ा सिंचाइ लेवेल के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 इंजाइ की गई है, जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक रिप्प होगी। विश्वविद्यालय के कूलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि जम्मू में आनंदित 30वीं वार्षिक सरसों व राई लिए चिन्हित किया गया है।



इनको होगा लाभ

कूलपति काम्बोज ने कहा कि आरएच 1975 किस्म हरियाणा साहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के विविध क्षेत्रों में बीजाई के लिए विनियत की गई है, इसके लिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज उगाने रखने तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा।

द्यीते वर्ष भी की थी दो उन्नत किस्में

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम राज्य के अनुसंधान बोर्ड किस्म डॉ. लक्ष्मी के नाम से विकसित की गई, तथा अन्य डॉ. बी.आर. डॉ. बी.आर. डॉ. निता कुमारी, डॉ. विनोद गोप्ता, डॉ. महादेव एवं डॉ. रामेश्वर मिश्र के सहायते से विकसित किया है। उन्होंने कहा कि इस टीम ने गत वर्ष भी जरूरी की की किस्म आरएच 1424 ए आरएच 1706 विकसित की है। ये किस्में भी कारबी की उत्पादकता बढ़ाने में मौलिक का प्रबल सहित होती है। उन्होंने कहा कि यह किस्में अनुसंधान में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इस टीम को जान की में जम्मू में अध्ययनशाला में संबोधित अवाई से भी महत्व गया है।

पैदावार के साथ तेल की मात्रा भी अधिक

कूलपति ने कहा कि 11-12 विकेटल परियों प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 विकेटल परियों प्रति एकड़ उत्पादन औसत उत्पादन वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 घोमद तेल की मात्रा है, जिसके कारण यह किस्म उन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होती है। इससे तितहान उत्पादन में दृष्टि के साथ किसानों की अधिक स्थिति को बदल सकेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क का नाम दूरध्वनि	दिनांक 26-9-23	पृष्ठ संख्या --	कॉलम --
----------------------------	-------------------	--------------------	------------

हकूमि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की हरियाणा सहित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के किसानों को होगा लाभ : प्रो. काम्बोज

हिंदूकि न्युज़ ॥ हिंदू

हारियणा कृषि विभागालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म ज्ञारेच 1975 लिंकमिट की है। यह किस्म मिथित क्षेत्रों में सुमय पर बिजाई के लिए एक उत्तम किस्म है जोकि भौजूना किस्म ज्ञारेच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देती है। दस वर्ष जाट सिंचन क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बोहतर किस्म आरएच 1975 इन्हट जो नई है जोकि अधिक उत्तमान के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक मिहू होगी। जम्मू ने आयोजित 30वें व्यार्थिक सरसों व सई कार्यशलाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपचाहानिंदेशक (फसल) डॉ. टोअर शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान कमटी प्रायोजन में आरएच 1975 किस्म को मिथित परिस्थिति में विकृत बिल्कुल गया है।

पंदायार के साथ तेल भी अधिक



११-१२ चिकित्सा परिए एकड़ और उत्तराखण्ड तथा १४-१५ चिकित्सा परिए एकड़ उत्तराखण्ड कुमाऊं राज्यों पाली आरपद्य । १९७५ चिकित्सा में लगभग २०.३ प्रतिशत गोंय की जनाै ई चिकित्सकों का सरण एवं चिकित्सा उच्च किसी की अपेक्षा किसीसे के बीच अधिक लोकप्रिय होता।

बीते वर्ष भी की थी
दो उन्नत विजये

जन्मानुषोदन लिखेकर ही जन्मतन्त्र लगा
ये असुखद इस किस्म को हाथपूरि के
स्वर्गीय देवताओं द्वा राम अवतार द्वा
र्गीरज द्वा कर्त्ता व द्वा अद्वेष
पुनर्जन्म की दीन वे ने जन्मतन्त्र पुस्तक
द्वा लिखा तुम्हारी द्वा लिखेकर जोधपुर
ही महाराजी द्वारा ही जन्मतन्त्र तिह के
राज्यों से तैयार किया है। उन्होंने
वायरा कि इह दीन के कल तारीख
सुनसे की बो किस्मे अब एच. 1424 व
अब दश 1700 विचारित की है। ते
किसीने भी जन्मतन्त्र ली उपायकरण
कराये तो नीत का जबर उत्पन्न होगी।

सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्रों में शामिल

यह नवायितल के औलिला द्वी पर्को प्रदूष ते बायक के हास्ति ते सरसों के दी को के जामेंत अस्तेक देहों ने शिखी लोहो है। उपरोक्त विवरों से पता ता १५५ मे रिपोर्ट ती गई जनों ती रिपोर्ट अप्र पता १५५ जार के दिन विवरों के बीच छापे अधिक प्रतिष्ठित ते लिंगिय चल गुणो हैं औलिक विवरों के भावा एवं २५ जनायक जाता एवं है लागत २५ मे २५ एकेज देहों मे अटेली उपर्युक्त जनों की विवर है। यह विवर औला ११-१२ विवर एवं प्राप्त विवरात असाम ते दे रखी है त हाली असाम इतना ने १४-१५ विवर एवं प्राप्त ताक है।

किसानों की होमा लाभ

आवास 1975 दिल्ली कुरियांगा रहित प्राप्त, विनों उन्नीस वर्षानी राजस्वका के सिविल बोर्डे में चिकित्सा के शिक्षण विभाग की गई है। इन्हींपर्यंत इन गार्जों के विभागों को इस विभाग का एक विभाग रखा गया। विभाग की विभिन्न विभागों को इस विभाग का बोर्ड आदेश दिया गया। अब वह काम कर रहा है। -प्र० लोकेश लाल्होड़, कलापी डिप्टी।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स न्यूज	दिनांक 25.9.2023	पृष्ठ संख्या --	कॉलम --
---------------------------------------	---------------------	--------------------	------------

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान को होगा फायदा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित धेत्रों में समय पर बिजाई के लिए एक उत्तम किस्म है जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हक्कावि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब दस वर्ष बाद, सिंचित धेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 इंजाद की गई है जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी।

जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सरसों व गाई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान कमेटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित



सरसों की नई किस्म आरएच 1975

परिस्थिति में समय पर बिजाई के लिए चिन्हित किया गया है। 11-12 किवटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 किवटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 फोसद तेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी। इससे तिलहन उत्पादन में बढ़िया के साथ

किसानों की आर्थिक स्थिति को बल मिलेगा।

आरएच 1975 किस्म हरियाणा महित पंजाब, दिल्ली, जम्मू व उत्तरी राजस्थान के सिंचित धेत्रों में बीजाई के लिए चिन्हित की गई है, इसलिए इन राज्यों के किसानों को इस किस्म का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस किस्म का बीज अगले साल तक उपलब्ध करवा दिया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम छोर	25.9.2023	--	--

हकूमि ने सरसों की नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

नम-छोर न्यूज ॥ 25 सितंबर
हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने सरसों की एक और उन्नत किस्म आरएच 1975 विकसित की है। यह किस्म सिंचित क्षेत्रों में समय पर विजाइ के लिए एक उत्तम किस्म है जोकि मौजूदा किस्म आरएच 749 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक

पैदावार देगी। आरएच 749 किस्म हकूमि ने वर्ष 2013 में विकसित की थी। अब दस वर्ष बाट सिंचित क्षेत्रों के लिए इस किस्म से बेहतर किस्म आरएच 1975 इंजाइ की गई है जोकि अधिक उत्पादन के कारण किसानों के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होगी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि जम्मू में आयोजित 30वीं वार्षिक सरसों व राई कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उपमहानिदेशक (फसल) डॉ. टी.आर. शर्मा की अध्यक्षता में गठित पहचान कमेटी द्वारा हाल में आरएच 1975 किस्म को सिंचित परिस्थिति में समय पर बिजाई के लिए चिन्हित किया गया है। कुलपति ने कहा कि 11-12 विंटल प्रति एकड़ औसत उत्पादन तथा 14-15 विंटल प्रति एकड़ उत्पादन क्षमता रखने वाली आरएच 1975 किस्म में लगभग 39.5 फौसद तेल की मात्रा है जिसके कारण यह किस्म अन्य किस्मों की अपेक्षा किसानों के बीच अधिक लोकप्रिय होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	25.9.2023	--	--

हकूमि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

मध्यस्थ हारियाणा न्यूज़ कर्मटी द्वारा ताल में अगस्त 1975 से बाहर के लिए विकल भी गई है। हिसार, 25 मिसेंचर। चौथी बार किस्म को विविध परिवर्त्तन में समय इकानीन इन गतियों के द्विमानों की ओर चिंह ठीक लगाए कृषि विविधाताएँ ऐसे पर विवरण के लिए विविध किए गए किस्म का लाख चिस्तें। उन्होंने जल संरक्षण की एक और जल किस्म है।

आपाएं 1975 विकास की हैं। परं पैट्रोलियर के माध्यम से की मात्रा भी किसी विविध रेटों में समय पर विभाग अधिक इन दो उमस किसमें होती है तो उनमें जनरले 3 रेट हैं। 1) विभाग गोदान किसम आपाएं 749 में लगाए गए उनी रेट और उपरान्त नहीं। 2) 12 शूलक अधिक पैट्रोल दो विभाग द्वारा गोदान लगाए गए लगाए गए शूलक आपाएं 749 किसम इकूलि ने यह गोदान लगाए गए आपाएं 1973 किसम में 2013 में विकास की थी। अब यह लगाए गए 30.5 लोसाइल की बढ़ा है वह चाहे विभिन्न रेटों के लिए इस किसके बावजूद यह किसम अन्य किसमी किसम से बोहत विकास आपाएं 1975 की ओरों किसमें के बीच अधिक लिंग की गई है तोकि अधिक आपाएं नीतिपूर्ण गोदान। इसमें विभाग उपरान्त के काम किसानी के लिए बहुत ने लगाई के बाद किसमें की अधिक लगाए गए गोदानों के विभिन्न विभागों की उन्नति।

के कल्पनाएँ थीं जो काम्योंवे ने उन ग्रन्थों के विस्तृता को होगा लाभ किया है। उनमें आदेशित 300वीं वर्षिक घटने के गई काम्यान्वयन में कल्पना थीं जो काम्योंवे ने अपनी कृषि सम्बन्धित परिकल्पना के बाब्या कि अप्रैल 1975 क्रियम उल्लंघनादेतक (फ्रान्स) वै तो अप्य शीरियां भवित रहेंगे दिल्ली, नम्बु न ग्रन्थ की प्रस्तुति में गणित प्रश्नों के उत्तर ग्रन्थाना के विविध शैर्षों में भी उल्लंघन 1424 व अप्रैल 1706 विविधता की है। ये विवेच भी सारों को उल्लंघन करने में मोहन वा राधा नामित होते। उन्हें कल्पना सारों ज्ञानप्राप्ति में उल्लंघन करने के लिये इस दौरान वो इन ही दो उल्लंघन



ज्ञानपीठ भविष्यत में संयुक्त कट ज्ञानप. 725 ज्ञान के लिए किसान
जगत में दो नवाच रथ है। कर्मण प्रमुख अधिक उचिति प

सर्वांगी अपमानित करनी में शामिल नीतिप्रवर्तन कर सकते हैं, जोकि दीर्घायता तक रखने के लिए आवश्यक है।

यह भवित्वात् के अधिकार वे निम्न 20 और 25 संस्कारों की

एक लहू के बाया कि दर्शन के अकाली उपर्युक्त वर्णन किया है। यह सम्भव है कि एक के ग्रामपंच किस्म और 10-12 किलोत्रन जीव अनुसंधान केंद्र में विस्तृत होते हैं। लहू ऐलाका आपस में दे रखी है। इसका विस्तृत से व्यापक काम 2018 में इसकी उत्पादन धम्मा भी 14-15 फिल्डिंग भी यह सम्भव हो किया किया गया जाता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	25.9.2023	--	--

हक्किवि ने सरसों की एक और नई किस्म आरएच 1975 विकसित की

संग्रह कर्ता व्यापारी

दिसम्बर दोपहर चार मिनट तीव्रतापन की विवरणिक अपेक्षा 3 मिनटों की लंबे और उनके बिच आवृत्ति 1975 विशेषज्ञता वाली है। यह विषय विविध रूपों में समाज पर विश्वास के लिए एक उत्तम विभाग है जोड़क फैलाए किम्बा अवृत्ति 749 में लगभग 12 प्रतिशत और इसका दोगुना। अवृत्ति 749 विभाग विवरण 3 वर्ष 2013 में विशेषज्ञता वाली है। यह एक बहुत विविधत लावा के लिए इन किम्बा अवृत्ति 749 विभाग को देखे हैं ताकि उनका उच्चाकार के बाहर विवरण के लिए विवरण न बदल सके।

प्रियोंकामना पूर्णतया दृष्टि की गई।
उम्मीदेवाले न बात की जाएँगे और उम्मीदेवाले 30वें
वर्षावस्था के रुप बदलावाते ही उम्मीदेवाले की अप्रसारण शरीर के उत्तमतम्
प्रभावों से भर जाता है। (डॉक्टर)



इन्हीं दूसरे रास में अतिक्रम 10-12 किमी वाले पर्यावरण संग्रहीत के माध्यम से जोड़ा जा सकता है। इन विकल्पों को चुन देते हैं।

कि आपने 1975 विषय सीखना मात्र नहीं हिलौ उम्मी न दूसरी राजस्थान के लिए बुद्धि व कलाकार के लिए विदेशों के दृष्टि द्वारा भी दृढ़ है। इन्हें इन गान्धी के विषयमें का इस विषय का नाम भूमिका उठाने वाला विषयमानों का इस विषय का बोन भासी भास नहीं उत्पन्न करने का लिए चाहता।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष न्यूज	25.9.2023	--	--

हकूमित में एनएसएस राज्य स्तरीय पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित

स्वर्यसेवकों का समाज में राष्ट्रीयता की भावना जगाने व कृतियों के खिलाफ लड़ाई लड़ने में महत्वपूर्ण योगदान : आनन्द मोहन शरण



प्राचीन वृक्ष
सिंह, 25 वर्षों
सर्वानुभव के सम्बन्ध में यह
जो वृक्ष के लिये कोई विशेष
लाभ नहीं है, वही ही जो वृक्ष
सर्वानुभव की विधि है। यहाँ
के दो वर्षों का विवरण तथा
वृक्ष की विशेषताएँ इसके अन्त
में दर्शायी गयी हैं। यहाँ
दर्शायी गयी वृक्ष की विशेषताएँ
यहाँ दर्शायी गयी वृक्ष की विशेषताएँ
यहाँ दर्शायी गयी वृक्ष की विशेषताएँ
यहाँ दर्शायी गयी वृक्ष की विशेषताएँ

रियों व स्वयंसेवकों की अवधि तक जारी रखने के लिए इस विधि का नियम दिया गया है। इसके बाहर भी विधि-विवरण व विवरण-विधि के बीच विवरण-विधि की अवधि तक जारी रखने की आवश्यकता नहीं है। इसके बाहर भी विधि-विवरण व विवरण-विधि के बीच विवरण-विधि की अवधि तक जारी रखने की आवश्यकता नहीं है। इसके बाहर भी विधि-विवरण व विवरण-विधि के बीच विवरण-विधि की अवधि तक जारी रखने की आवश्यकता नहीं है।

28 अधिकारियों व स्वयंसेवकों को किया सम्मानित

वार्षिक विद्यालय, असम के एक सुप्रसिद्ध शैक्षणिक संस्था है। इसकी स्थापना 1920 में हुई थी। इसकी स्थापना के बाद से असम की शैक्षणिक विद्या का विकास जल्दी से जल्दी होने लगा। इसकी स्थापना के बाद से असम की शैक्षणिक विद्या का विकास जल्दी से जल्दी होने लगा।

जो एक जल संग्रहीत का बड़ा उपयोग है तो वह नदी के जल का उपयोग है। इसका अर्थ है कि जल का उपयोग करने वाले वह जल का उपयोग करने वाले हैं। यह एक विशेषज्ञता है। यह एक विशेषज्ञता है कि जल का उपयोग करने वाले वह जल का उपयोग करने वाले हैं। यह एक विशेषज्ञता है कि जल का उपयोग करने वाले वह जल का उपयोग करने वाले हैं।